

>

Title: Need to ban sand mining on Son River, Bihar and providing drinking water facilities in South Bihar

श्रीमहाबलीसिंह (काराकाट): महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

महोदय, देश की विभिन्न दिनों में अवैध बालू के खनन से जल स्तर बहुत नीचे गिरता जा रहा है। हम खास तौर पर बिहार की सोन नदी में अवैध बालू के खनन की बात आपके सामने रखना चाहते हैं। सोन नदी के किनारे बसे हुए लगभग एक हजार गाँव हैं। गर्मी के दिनों में 5 महीने तक इन एक हजार गाँवों के लोगों को, कम से कम लाखों लोगों को शुद्ध पानी नहीं मिलता है। वे लोग पानी के लिए तड़पने लगते हैं।

महोदय, हम आपके माध्यम से सरकार को इससे अवगत कराना चाहते हैं। यह एक साल का मामला नहीं है, हुआ है। इस तरह से गैर कानूनी ढंग से सोन नदी में बालू का अवैध खनन हो रहा है, जिसके कारण पाँच महीने के लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। आजादी के 70 सालों के बाद भी हम उन्हें शुद्ध पानी नहीं दे पा रहे हैं और यह हम लोगों की कमी के कारण है। अगर वहाँ बालू का खनन बंद हो जाता तो हम समझते हैं कि वहाँ पानी की कोई दिक्कत नहीं होती। इसलिए हम आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं कि जहाँ जल शक्ति मंत्रालय का गठन जल और पर्यावरण को बचाने के लिए किया गया है, वहाँ हम लोगों के सामने बालू का खनन हो रहा है। यह बहुत गम्भीर मामला है। हम लोग दक्षिणी बिहार से आते हैं। वहाँ हर साल सूखे का सामना करना पड़ता है। आप हमें आसन की तरफ से कम से कम संरक्षण दीजिए। जब हम लोग वहाँ जाते हैं तो लोग हमसे पानी माँगते हैं और कहते हैं कि आजादी के 70 साल हो गए, आप लोग पानी नहीं दे पा रहे हैं और हम लोगों से बात करने आ रहे हैं।

महोदय, यह गम्भीर मामला है। हम सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं कि सोन नदी में होने वाले बालू के खनन को रोक जाय।

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, बालू का खनन और पीने का पानी राज्य से मिलेगा। बालू के खनन की इजाजत दिल्ली ने नहीं दी है।

श्रीमहाबलीसिंह : महोदय, हम लोग इस सदन में आते हैं और हम लोगों से जब जनता इसके बारे में पूछती है तो हम तो यहाँ ही कहेंगे, कहाँ जाकर कहेंगे?